University in News on 21 September 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

हॉस्टल पहुंच समस्याओं को जाना

लखनऊ। लविवि के दूसरे परिसर में बुधवार को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू और उनकी टीम ने छात्रावासों में जाकर विद्यार्थियों की समस्याएं जानीं। होमी जहांगीर भाभा और कौटिल्य हॉस्टल में सभी जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। विवि के एडिशनल डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. अशोक कुमार कैथल, डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. शुभान आलम तथा डॉ. आनंद पांडेय ने कैंटीन, कैफेटेरिया में सफाई, जल निकासी की समस्या दूर करने का निर्देश दिया। (संवाद)

छात्रों को मूट कोर्ट का महत्व बताया

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन ने विधि के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन सेशन कराया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. बंशीधर सिंह ने छात्रों को मूट कोर्ट प्रतियोगिता का महत्व बताते हुए इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रो. आरके सिंह ने मूट कोर्ट एसोसिएशन के विकास की जानकारी दी। प्रो. डॉ. राधेश्याम प्रसाद ने छात्रों के विकास में कमेटी के योगदान के बारे में बताया। (संवाद)

विवि में प्रो. बोनो क्लब का लोकार्पण

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में डीन प्रो. बीडी. सिंह ने प्रोफेसर बोनो क्लब का लोकार्पण किया। प्रो. बोनो क्लब योजना भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की पहल है। इसका उद्देश्य कानूनी सेवाओं की दक्षता और गुणवत्ता में सुधार करना है। कार्यक्रम में प्रो. आरके सिंह, डॉ. विनीता काचर, डॉ. राजीव राठी व स्नेहा शर्मा थीं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

देशभर के 43 शिक्षकों ने सीखीं कानूनी बारीकियां

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। एलयू स्थित यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र में बुधवार को कानून में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रिफ्रेशर कोर्स) का समापन हुआ। यहां मुख्य अतिथि ओडिशा की मधुसूदन लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर कमल जीत सिंह रहे।

पांच से 20 सितंबर तक आयोजित कोर्स में पूरे भारत से 43 असिस्टेंट प्रोफेसरों ने प्रतिभाग किया। एचआरडीसी निदेशक प्रो. कमल कुमार ने बताया कि इस कोर्स में विधि जगत के लब्ध प्रतिष्ठित लोगों ने व्याख्यान दिए। जिसमें प्रो. बलराज चौहान, प्रो. डीपी वर्मा, प्रो. मनोज कुमार सिन्हा, प्रो. हरप्रीत कौर ने अपने विचार रखे।

नवीन परिसर का निरीक्षण

लखनऊ। एलयू में बुधवार को मुख्य व नवीन परिसर में निरीक्षण किया गया। मुख्य परिसर में अतिरिक्त डीएसडब्ल्यू प्रो. अशोक कुमार कैथल, डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. शुभान आलम और डॉ. आनन्द पाण्डेय ने समस्त कैंटीन एवं कैफेटेरिया की समस्याएं जानी।

एलयूआरएन पंजीकरण के लिए कल तक आवेदन

लखनऊ। एलयू व संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश के लिए जरूरी एलयूआरएन पंजीकरण के लिए शुक्रवार को आखिरी मौका रहेगा। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ विवि रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) के लिए पंजीकरण करने का आखिरी मौका 22 सितंबर की रात 12 बजे तक रहेगा। किसी भी कॉलेज में दाखिले के लिए एलयूआरएन अनिवार्य है।

कौशल डिग्री कोर्स के लिए मंजूरी मिली

लखनऊ। एलयू में बुधवार को आकस्मिक कार्य परिषद की बैठक बुलाई गई। बैठक में एकेडमिक काउंसिल से पास मुद्दों को अनुमोदन प्रदान किया गया। इससे अब 16 कॉलेजों में कौशल डिग्री कोर्स शुरू हो सकेंगे, जिसमें बीबीए रिटेल, लॉजिस्टिक्स, हेल्थ केयर और बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी जैसे कोर्स हैं। इसी तरह पीएचडी व स्नातक अध्यादेश को भी मंजूरी दी गई।

प्रो. बोनो क्लब कानूनी सेवा की दक्षता बढ़ाएगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित विधि संकाय में प्रो. बोनो क्लब का लोकार्पण किया गया। संकायाध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह ने संकाय सदस्यों की उपस्थिति में क्लब का उद्घाटन किया। यहां विशिष्ठ अतिथि भारत सरकार के न्याय विभाग की कार्यक्रम प्रबंधक स्नेहा शर्मा ऑनलाइन माध्यम से रहीं। प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि प्रो. बोनो क्लब योजना भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा की गई एक पहल है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य प्रो बोनो अधिवक्ताओं को सहायता प्रदान करके कानूनी सेवाओं की दक्षता में सुधार करना है।

JAGRAN CITY PAGE III

कल बंद हो जाएगा एलयूआरएन पोर्टल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से इस बार दाखिले के लिए अनिवार्य किए गए लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर (एलयूआरएन) को 22 सितंबर को बंद कर दिया जाएगा। बिना पंजीकरण कोई भी प्रवेश मान्य नहीं होगा। ऐसे में लवि और जिन कालेजों में दाखिले की प्रक्रिया चल रही है, उनके पास भी आखिरी मौका है। बुधवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने यह निर्देश जारी कर दिए हैं।

लवि से वर्तमान सत्र 2023-24 में प्रवेश से पहले एलयूआरएन में पंजीकरण अनिवार्य कर दिया था। इसके लिए प्रत्येक विद्यार्थी से 100 रुपये शुल्क भी लिया गया। कालेजों में स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रक्रिया जारी है। नियम के अनुसार जिनके पंजीकरण हो जाएंगे, उन्हीं के प्रवेश मान्य होंगे। ऐसे में विश्वविद्यालय ने निर्देश जारी किए हैं कि छात्र-छात्राओं के लिए 22 सितंबर को रात 12 बजे एलयूआरएन पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। इसलिए सभी प्राचार्य अनुपालन निर्धारित तिथि से पूर्व सुनिश्चित करा लें।

40 से ज्यादा डिग्री कालेजों ने सीट वृद्धि के लिए किया आवेदन : कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि सत्र 2023-24 में लवि एवं लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली व सीतापुर के कालेजों में इस बार प्रवेश में 40 प्रतिशत विद्यार्थियों की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले साल करीब सवा लाख प्रवेश हुए थे। इस बार एलयूआरएन के माध्यम से गुरुवार तक एक लाख 70 हजार पंजीकरण हो चुके हैं। अभी दो दिन पंजीकरण के लिए बचे हैं। इससे यह आंकड़ा और बढ़ेगा। इससे स्पष्ट है कि लवि एवं कालेजों से जुड़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या 40 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने बताया कि 40 से ज्यादा कालेजों ने विभिन्न कोर्सों में 33 प्रतिशत सीटों के लिए आवेदन भी किया है।

प्रो बोनो क्लब का लोकार्पण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर बीडी सिंह ने बुधवार को प्रो बोनो क्लब का लोकार्पण किया गया। उन्होंने बताया कि प्रो बोनो क्लब योजना भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से की गई एक पहल है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों के माध्यम से प्रो बोनो अधिवक्ताओं को सहायता प्रदान करना है। क्लब की छात्र समिति ने इसकी एक विस्तृत वार्षिक गतिविधि योजना तैयार की है। (जासं)

अध्यादेश पास

लखनऊ : लवि में बुधवार को कुलपति की अध्यक्षता में कार्य परिषद की आनलाइन बैठक हुई। इसमें पीएचडी के नए अध्यादेश के साथ चार वर्षीय यूजी अध्यादेश सहित बीते दिनों हुई विद्या परिषद की बैठक में रखे अन्य सभी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। (जासं)

मूट कोर्ट का महत्व बताया

लखनऊ : लवि के विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन ने बुधवार को विधि पाठ्यक्रम के पांच एवं तीन वर्षीय प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. बीडी सिंह ने विद्यार्थियों को मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रो. डा. राधेश्याम प्रसाद ने कमेटी के दृष्टिकोण तथा छात्रों के विकास में कमेटी के योगदान के बारे में बताया। (जासं)

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि में प्रो बोनो क्लब के लोकार्पण पर मौजूद लोग। अमृत विचार

कानूनी सेवाओं की दक्षता और गुणवत्ता में लाया जाएगा सुधार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि के विधि संकाय में प्रो बोनो क्लब का लोकार्पण

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रो बोनो क्लब का लोकार्पण किया गया। क्लब का उद्देश्य कानूनी सेवाओं की दक्षता और गुणवत्ता में सुधार करना है।

प्रो बोनो क्लब योजना भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से की गई पहल है। न्याय बंधु कार्यक्रम का उद्देश्य सभी के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता के संवैधानिक दायित्व को पूरा करना है। यह प्रयास छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देगा साथ ही यह प्रो बोनो अधिवक्ताओं को आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगा। इसके तहत उन वंचितों की सहायता की जाएगी जो अपने अधिकारों के बारे में जागरूक नहीं है। क्लब की पहल में वर्ष के अंत तक दो गांवों को गोद लेना, संकाय के छात्रों के बीच वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र की संस्कृति विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एडीआर प्रतियोगिता का आयोजन करना, ऑनलाइन सलाह के लिए न्याय बंधु योजना में पूर्व छात्रों का नामांकन करना और उनके साथ मिलकर वंचितों के लिए काम करना शामिल है।

क्लब की छात्र समिति ने एक विस्तृत वार्षिक गतिविधि योजना तैयार की, जिसे बाद में न्याय विभाग को भेजा गया। इसके बाद, लखनऊ विश्वविद्यालय को मंत्रालय की न्याय बंधु योजना का हिस्सा बनने की मंजूरी प्राप्त हुई। इसने विधि संकाय के इतिहास में एक नई शुरुआत का संकेत दिया है। प्रो बोनो क्लब का लोकार्पण के दौरान डॉ. आरके सिंह, प्रो. डॉ. विनीता काचर, प्रो. डॉ. राजकुमार, प्रो. डॉ. अशोक कुमार सोनकर, एसोसिएट प्रो. डॉ. राजीव राठी, डॉ. आलोक कुमार यादव आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्नेहा शर्मा कार्यक्रम प्रबंधक न्याय विभाग भारत सरकार गूगल मीट के माध्यम से जुड़ीं।

कानूनी शिक्षा में करें प्रौद्योगिकी का प्रयोग

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में कानूनी शिक्षा में प्रौद्योगिकी के प्रयोग और भारतीय दाण्डीराइट कानूनों की वैधता समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। यूजीसी और मानव संसाधन विकास केंद्र लविवि की ओर से कानून में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रिफ्रेशर कोर्स) का आयोजन किया गया। विधि विशेषज्ञों ने आधुनिक कानूनी शिक्षा और शिक्षण अध्यापन, नई शिक्षा नीति और कानूनी शिक्षा में प्रौद्योगिकी का उपयोग पर चर्चा की। इसमें देश के 43 असिस्टेंट प्रोफेसरों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर कमल कुमार, प्रो. बीडी सिंह, प्रो. राकेश कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

PIONEER PAGE 3

मूल्य तंत्र जितना मजबूत होगा उतना ही कम्प्यूटर नैतिकता अच्छी होगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की तरफ से बुधवार को कम्प्यूटर नैतिकता और सुरक्षा नीतियां विषय पर आनलाईन विशिष्ठ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो दिनेश कुमार द्वारा प्रो मृदुला मिश्रा, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन प्रबंधन, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी का स्वागत किया गया।

व्याख्यान के आरम्भ में प्रो मृदुला मिश्रा द्वारा बताया गया कि किसी भी कार्य को सुव्यवस्थित करने के लिए उससे सम्बन्धित आचार संहिता का पालन करना चाहिए। कम्प्यूटर के उपयोग के दौरान कुछ नैतिक चिन्ताएं सामने आती है जिसको हम अपने मूल्यों के द्वारा समाधान कर सकते है। लविवि में कंप्यूटर नैतिकता और सुरक्षा नीतियां विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्रोफेसर मृदुला मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि साहित्यिक चोरी से बचने के लिए टर्नटिन और उर्कुण्ड जैसे साफ्टवेयर का प्रयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. हेमेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. सूर्य नारायण गुप्ता आदि मौजूद रहे।

मूल्य तंत्र जितना मजबूत होगा उतना ही कम्प्यूटर नैतिकता अच्छी होगी। नैतिकता का मतलब है कि जो भी बात हम किसी को सिखाते हैं या बताते हैं वही नैतिकता हमारे व्यवहारों में झलकना चाहिए। नीति या नैतिक अनुसंधान में महत्वपूर्ण है जो कि किसी भी विषय से संबंधित आकड़ों को पढ़ते देखते या लिखते हैं, उसे हमें संदर्भ ग्रन्थ सूची में लिखना चाहिए। जिससे साहित्यिक चोरी से बचा जा सकता है। साहित्यिक चोरी से बचने के लिए टर्नटिन और उर्कुण्ड जैसे साफ्टवेयर का प्रयोग करके बचा जा सकता है। सुरक्षा, शुद्धता एवं सम्पत्ति अधिकार से संबंधित समस्याएं कम्प्यूटर नैतिकता से जुडी हुई हैं। उन्होने बताया कि हमेशा कॉपीराइट कानूनों और नीतियों का सम्मान करना चाहिए, दूसरों की निजता का सम्मान करना चाहिए। ठीक उसी तरह जैसे आप दूसरों से उम्मीद करते हैं, अवैध संचार और गतिविधियों के बारे में यदि पाया जाता है तो इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए और इंटरनेट का नैतिक रूप से उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम के अन्त में डॉ हेमेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में डॉ सूर्य नारायण गुप्ता सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

लविवि के विधि संकाय में प्रो.बोनो क्लब का लोकार्पण

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय के विधि संकाय में संकाय अध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ.बीडी सिंह ने प्रो.बोनो क्लब का लोकार्पण किया। इस उपलक्ष में पूर्व डीन,

समाज के वंचित तबके को देंगे निःशुल्क कानूनी सहायता: स्नेहा शर्मा

प्रोफेसर डॉ.आरके सिंह, प्रो.विनीता काचर, प्रो.राजकुमार, प्रो.अशोक कुमार सोनकर, एसोसिएट प्रो.राजीव राठी, डॉ.आलोक कुमार यादव (संकाय प्रभारी) प्रो.बोनो क्लब ने अपनी उपस्थिति से उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। विशिष्ठ अतिथि स्नेहा शर्मा, कार्यक्रम प्रबंधक, न्याय विभाग, भारत सरकार गूगल मीट के माध्यम से समारोह में सम्मिलित हुईं। विधिक सहायता केंद्र लविवि की छात्र समिति ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। प्रो. बोनो क्लब योजना भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा की गई एक पहल है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य प्रो. बोनो एसोसिएट्स के नाम से जाने जाने वाले सक्षम कानून छात्रों के माध्यम से प्रो.बोनो अधिवक्ताओं को सहायता प्रदान कर कानूनी सेवाओं की दक्षता और गुणवत्ता में सुधार करना है। न्याय बंधु कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों के लिए न्याय तक पहुंच के जनादेश और सभी के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता के संवैधानिक दायित्व को पूरा करना है। यह प्रयास छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देगा और साथ ही यह अधिवक्ताओं को आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगा। प्रो.बोनो क्लब जो धर्म की रक्षा करता है,उसकी धर्म भी रक्षा करता है के गहन सिद्धांत पर आधारित है। यहां धर्म से तात्पर्य न्याय से है। इसका विशेष ध्यान उन वंचितों की सहायता करना है, जिनमें अपने अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी है और न्याय तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। क्लब की पहल में वर्ष के अंत तक दो गांवों को गोद लेना, हमारे संकाय के छात्रों के बीच वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र की संस्कृति विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एडीआर प्रतियोगिता का आयोजन करना, ऑनलाइन सलाह के लिए न्याय बंधु योजना में पूर्व छात्रों का नामांकन करना और उनके साथ मिलकर वंचितों के लिए काम करना शामिल है। क्लब की छात्र समिति ने एक विस्तृत वार्षिक गतिविधि योजना तैयार की जिसे बाद में न्याय विभाग को भेजा गया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

नई शिक्षा नीति व कानूनी शिक्षा में प्रोद्योगिकी के उपयोग पर व्याख्यान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मानव संसाधन विकास केंद्र लविवि ने 5 से 20 सितम्बर तक कानून में पुनर्श्चर्या पाठ्यक्रम (रिफ्रेशर कोर्स) का आयोजन किया। एचआरडीसी

रिफ्रेशर कोर्स में भारत के ४३ असिस्टेंट प्रोफेसर ने प्रतिभाग किया

निदेशक प्रो.कमल कुमार और कानून पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक प्रो.राकेश कुमार सिंह, पूर्व संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष तथा कुलपति प्रो.अलोक कुमार राय के कुशल मार्गदर्शन और संरक्षण में करीब 10 वर्षों के अन्तराल के बाद आयोजित किया गया। इस कोर्स में पूरे भारत से 43 असिस्टेंट प्रोफेसरों ने प्रतिभाग किया। जिसमें तमिलनाडु, उत्तर पूर्व आसाम, कर्नाटका, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगना, बिहार,उत्तर प्रदेश और नई दिल्ली राज्य से शामिल हुए। रिकार्ड संख्या में विधि जगत में लब्ध प्रतिष्ठित लोगों ने इस कोर्स में व्याख्यान दिए। जिसमें प्रो.बलराज चौहान, संस्थापक कुलपति धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर, आरएमएलएनएलयू, लखनऊ, प्रो.डीपी वर्मा,सदस्य, भारतीय विधि आयोग, प्रो.मनोज कुमार सिन्हा, निदेशक, भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली, प्रो.हरप्रीत कौर, कुलपति, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी,जोधपुर,प्रो.योगेश सिंह, कुलपति, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा अगरतला, प्रो.मोहम्मद हुसैन, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, कश्मीर यूनिवर्सिटी प्रो.संजय गुप्ता, विभागाध्यक्ष, जम्मू यूनिवर्सिटी, प्रो.अनु मेहरा, लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो.वीपी सिंह, महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर, डा.प्रियंका रंजन कुमार, विभागाध्यक्ष, तेजपुर खान,एनयूजेस कोलकाता, प्रो.अमरपाल सिंह, पूर्व संकायाध्यक्ष, इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली, डा.रविकांत मिश्रा, विधि, नॉथ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, प्रो.जफर नोमानी, संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, एएमयू, अलीगढ़, प्रो.संजय श्रीवास्तव, संकायाध्यक्ष, साउथ बिहार सेन्टल यूनिवर्सिटी, गया, प्रो.देवेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष, पंजाब यूनिवर्सिटी, प्रो.प्रीती सक्सेना, संकायाध्यक्ष, बीबीएयू,प्रो.एसडी शर्मा, पूर्व डीन, कुमाउं यूनिवर्सिटी, अल्मोड़ा, प्रो.अहमद नसीम, संकायाध्यक्ष, गोरखपुर यूनिवर्सिटी शेफाली यादव, संकायाध्यक्ष, सकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय,प्रो.एपी सिंह, विभागाध्यक्ष, एनएलयू, लखनऊ, प्रो.जय शंकर सिंह, संकायाध्यक्ष,विधि, इलाहाबाद विवि आदि शामिल हुए। कार्यक्रम में वक्तओं ने विधि के समसामायिक विषयों में व्याख्यान दिए। जिसमें आधुनिक कानूनी शिक्षा और शिक्षण अध्यापन, नई शिक्षा नीति और कानूनी शिक्षा में प्रोद्योगिकी का उपयोग, सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में कानून, संविधान में परिवर्तन, आपराधिक कानूनों में नये बिल में सुधारों पर चर्चा, मानव अधिकार और ट्रांसजेंडर, कानूनी आदर्शवाद, न्यायिक समीक्षा, भारतीय दाण्डीराइट कानूनों की वैधता, भारत में कानूनी सहायता का अधिकार, संविधानवाद और उदार लोकतंत्र,समान नागरिक संहिता पर बहस, नवीनतम विधेयकों के संदर्भ में आपराधिक कानून पर एक दृष्टि, भारत में विवाह पूर्व समझौते को लागू करने की आवश्यकता, फेरेंसिक का भारत में न्याय वितरण प्रणाली में उपयोगिता, डीएनए फिंगरप्रिंटिंग से संबंधित मुद्दे, गे राइस भारतीय साक्ष्य अधिनियम भारत में शेयरधारक जुड़ाव, भारत में डेटा संरक्षण कानून और कृत्रिम बुद्धिमता और नीतिकता आदि विषयों पर खुलकर चर्चा और बहस हुई।

VoL PAGE 6

लविवि में हुआ कैंटीन और हॉस्टल का निरीक्षण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एडिशनल डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. अशोक कुमार कैथल और उनकी टीम डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. शुभान आलम और डॉ. आनन्द पाण्डेय शामिल थे। उनके द्वारा मुख्य परिसर में संचालित समस्त कैंटीन एवं कैफेटएरिया का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में कुछ समस्याएं एवं चुनौतियां सामने आयी जैसे कि साफ-सफाई, जल निकासी, उपयोग किये गये अनुपयुक्त कप-प्लेट आदि का निराकरण न निस्तारण किया गया। संचालकों को इन समस्याओं को दूर करने का अपेक्षित सुझाव तथा निर्देश दे दिया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में छात्र कल्याण डीन प्रो. संगीता साहू और मुख्य प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने होमी जहांगीर भाभा हॉस्टल और कौटिल्य हॉस्टल का व्यापक निरीक्षण किया।

कॉपीराइट कानून और नीतियों का करें सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ : किसी भी काम को सुव्यवस्थित करने के लिए उससे संबंधित आचार संहिता का पालन करना चाहिए। कंप्यूटर के प्रयोग के दौरान कुछ नैतिक चिंताएं सामने आती हैं, जिसका हम अपने मूल्यों के द्वारा समाधान कर सकते हैं। लविवि में कंप्यूटर नैतिकता और सुरक्षा नीतियां विषय पर आयोजित व्याख्यान में प्रोफेसर मृदुला मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि साहित्यिक चोरी से बचने के लिए टर्नटिन और उर्कुण्ड जैसे साफ्टवेयर का प्रयोग किया जा सकता है। कार्यक्रम में प्रो. दिनेश कुमार, डॉ. हेमेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. सूर्य नारायण गुप्ता आदि मौजूद रहे।

छात्रों को बताया मूट कोर्ट का महत्व

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन ने बुधवार को विधि पाठ्यक्रम के पंचवर्षीय एवं त्रिवर्षीय प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन सेशन आयोजित कराया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो. बंशीधर सिंह ने छात्रों को मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और प्रतियोगिता का महत्व भी बताया। प्रो. आरके सिंह ने मूट कोर्ट एसोसिएशन के विकास के बारे में जानकारी दी। प्रो. डॉ. राधेश्याम प्रसाद ने कमेटी के दृष्टिकोण तथा छात्रों के विकास में कमेटी के योगदान के बारे में बताया। मूट कोर्ट एसोसिएशन के स्टूडेंट कन्वीनर हेमंत पांडेय एवं उनकी टीम ने ओरिएंटेशन सेशन का सफल आयोजन कराया।

एलयू के विधि संकाय में प्रो बोनो क्लब का लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में बुधवार को संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. बीडी सिंह ने प्रो. बोनो क्लब का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पूर्व डीन, प्रोफेसर आरके सिंह, प्रोफेसर विनीता काचर, प्रोफेसर राजकुमार, प्रोफेसर अशोक कुमार सोनकर, एसोसिएट प्रोफेसर राजीव राठी, डॉ. आलोक कुमार यादव मौजूद रहे। जबकि विशिष्ठ अतिथि स्नेहा शर्मा, कार्यक्रम प्रबंधक, न्याय विभाग भारत सरकार गूगल मीट के माध्यम से समारोह में सम्मिलित हुईं।

प्रो. बोनो क्लब योजना भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा की गई एक पहल है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य प्रो बोनो एसोसिएट्स के नाम से जाने जाने वाले सक्षम कानून छात्रों के माध्यम से प्रो बोनो अधिवक्ताओं को सहायता प्रदान करके प्रो बोनो कानूनी सेवाओं की दक्षता और गुणवत्ता में सुधार करना है। न्याय बंधु कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों के लिए न्याय तक पहुंच के जनादेश और सभी के लिए निःशुल्क कानूनी सहायता के संवैधानिक दायित्व को पूरा करना है। यह प्रयास छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देगा और साथ ही यह प्रो बोनो अधिवक्ताओं को आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगा। क्लब की पहल में वर्ष के अंत तक दो गांवों को गोद लेना, संकाय के छात्रों के बीच वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र की संस्कृति विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एडीआर प्रतियोगिता का आयोजन करना, ऑनलाइन सलाह के लिए न्याय बंधु योजना में पूर्व छात्रों का नामांकन करना और उनके साथ मिलकर वंचितों के लिए काम करना शामिल है।

छात्रों को बताया मूट कोर्ट का महत्व

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन ने बुधवार को विधि पाठ्यक्रम के पंचवर्षीय एवम त्रिवर्षीय प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन सेशन का आयोजन कराया। मुख्य अतिथि अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो बंशीधर सिंह ने छात्रों को मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और इस प्रतियोगिता का महत्व भी बताया।

एलयू से सम्बद्ध 16 कालेजों में संचालित होंगे कौशल आधारित कोर्स

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 16 कालेजों में कौशल विकास आधारित कोर्स शुरू होंगे। बुधवार को सम्पन्न हुई आकस्मिक कार्य परिषद की बैठक में इस पर मंजूरी दी गयी। वहीं पिछले दिनों एकेडमिक कांउसिल से पास मुद्दों को भी अनुमोदन दिया गया।

कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में पीएचडी व स्नातक अध्यादेश को भी मंजूरी दी गई। ट्रिवनिंग, ज्वाइंट व डुअल डिग्री अध्यादेश भी पास किया गया। वहीं एकेडमिक कांउसिल से पास कला, वाणिज्य, विधि, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी व विधि संकाय के मुद्दों को भी कार्य परिषद से अनुमोदन प्राप्त हुआ। कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आकस्मिक कार्य परिषद की बैठक में एकेडमिक कांउसिल से पास किए गए बिंदुओं पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

छात्रों को बताया मूट कोर्ट का महत्व

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के विधि संकाय की मूट कोर्ट एसोसिएशन ने बुधवार को विधि पाठ्यक्रम के पंचवर्षीय एवं त्रिवर्षीय प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन सेशन का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अधिष्ठाता विधि संकाय प्रो.बंशीधर सिंह ने छात्रों को मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और इस प्रतियोगिता का महत्व भी बताया। प्रो.आरके सिंह ने मूट कोर्ट एसोसिएशन के विकास के बारे में जानकारी दी। प्रोफेसर डॉ. राधेश्याम प्रसाद ने कमेटी के दृष्टिकोण तथा छात्रों के विकास में कमेटी के योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। मूट कोर्ट एसोसिएशन के स्टूडेंट कन्वीनर हेमंत पाण्डेय एवं उनकी टीम के सहयोग से आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

नैतिकता हमारे व्यवहार में झलकनी चाहिए : प्रो. मृदुला

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। शिक्षा शास्त्र विभाग,लखनऊ विश्वविद्यालय में कम्प्यूटर नैतिकता और सुरक्षा नीतियां विषय पर

कम्प्यूटर नैतिकता और सुरक्षा नीतियां विषय पर व्याख्यान

ऑनलाईन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो.दिनेश कुमार ने प्रो.मृदुला मिश्रा, विभागाध्यक्ष, मानव संसाधन प्रबंधन, लवली प्रोफेसनल यूनिवर्सिटी का स्वागत किया। व्याख्यान के आरम्भ में प्रो.मृदुला मिश्रा ने कहा कि किसी भी कार्य को सुव्यवस्थित करने के लिए उससे सम्बन्धित आचार सहिता का पालन करना चाहिए। कम्प्यूटर के उपयोग के दौरान कुछ नैतिक चिन्ताएं सामने आती है जिसको हम अपने मूल्यों के द्वारा उनका समाधान कर सकते है। हमारा मूल्य तंत्र जितना मजबूत होगा उतना ही कम्प्यूटर नैतिकता अच्छी होगी। नैतिकता का मतलब है कि जो भी बात हम किसी को सिखाते हैं या बताते हैं वही नैतिकता हमारे व्यवहारों में झलकनी चाहिए। नीति या नैतिक अनुसंधान में महत्वपूर्ण है जोकि किसी भी विषय से संबंधित आंकड़ों को पढ़ते देखते या लिखते हैं उसे हमें संदर्भ ग्रन्थ सूची में लिखना चाहिए। जिससे साहित्यिक चोरी से बचा जा सकता है। साहित्यिक चोरी से बचने के लिए टर्नटिन और उर्कुण्ड जैसे साफ्टवेयर का प्रयोग करके बचा जा सकता है। सुरक्षा, शुद्